भगवान श्री कृष्ण ने दोनों पक्षों को समझाकर इस युद्ध को टालने का यथासंभव प्रयास किया किन्तु अंततः असफल रहे । युद्ध हुआ एवं कृष्ण की सेना कौरवों ने ली और श्री कृष्ण स्वयं सारथी बनकर अर्जुन के साथ यानी पांडवों के पक्ष में रहे । यहाँ ध्यान देने योग्य बात है कि कृष्ण भगवान ने स्वयं हथियार न उठाने की प्रतिज्ञा ले रखी थी । महाभारत के युद्ध के समय अर्जुन के भीतर अहिंसा का भाव उदित हुआ । अर्जुन ने अपने भाइयों एवं अपने गुरुजनों पर हथियार उठाकर पाप न करने का विचार अपने सारथी भगवान श्री कृष्ण के समक्ष रखा । तब भगवान कृष्ण ने कहा युद्ध करना ही पड़ेगा ।